# प्रीलिम्स फैक्ट्स: 06 जून, 2019

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-06-06-2019

## गंगा क्वेस्ट पुरस्कार, 2019

### Ganga Quest 2019 Awards

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'स्वच्छ गंगा के लिये राष्ट्रीय मिशन' (NMCG) ने गंगा और उसकी सहायक नदियों के संरक्षण के तरीकों पर चर्चा करने के लिये एकदिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया।

- इस अवसर पर गंगा क्वेस्ट, 2019 के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किये गए।
- ज्ञातव्य है कि NMCG ने नमामि गंगे कार्यक्रम में सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ाने और युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिये एक अखिल भारतीय गंगा क्वेस्ट 2019 का आयोजन किया था।
- यह गंगा नदी पर पहली राष्ट्रीय स्तर ली ऑनलाइन क्विज़ है।
- गंगा नदी के बारे में जागरूकता और ज्ञान प्रसार के लिये एक महीने तक ऑनलाइन क्विज़ आयोजित की गई।
- यह क्विज़ 22 अप्रैल, 2019 (विश्व पृथ्वी दिवस) को शुरू की गई और 22 मई 2019 (विश्व जैव विविधता दिवस) को समाप्त हुई।
- NMCG द्वारा यह आयोजन वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (Wild Life Institute of India), ट्री क्रेज़ फाउंडेशन (Tree Craze foundation), GIZ और VA Tech WABAG की साझेदारी में किया गया।

### स्वच्छ गंगा के लिये राष्ट्रीय मिशन (NMCG)

- स्वच्छ गंगा के लिये राष्ट्रीय मिशन राष्ट्रीय स्वच्छ मिशन (NMCG) को 12 अगस्त, 2011 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था।
- इसका कार्यान्वयन जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय के अंतर्गत किया जाता है।

## जन शिक्षण संस्थान

### Jan Shikshan Sansthan

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तत्त्वावधान में चल रहे जन शिक्षण संस्थानों (Jan Shikshan Sansthan) के अंतर्गत व्यावसायिक प्रशिक्षण ले रहे अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिये फीस माफ कर दी गई है।

जन शिक्षण संस्थान इससे पहले मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत था, जिसे वर्ष 2018 में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया।

**जन शिक्षण संस्थान क्या है?**

जन शिक्षण संस्थान (Jan Shikshan Sansthan) की स्थापना कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक तथा आर्थिक रूप से पिछड़े एवं शिक्षा की दृष्टि से वंचित समूहों जैसे- नव-साक्षरों, अर्द्धशिक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं तथा लड़कियों, मलिन बस्तियों में रहने वालों, पलायन करके आए श्रमिकों के बीच उद्यमिता के अवसर शुरू करने में मदद करने हेतु की जाती है।

jan shikshan sansthan

- जन शिक्षण संस्थान को पूर्व में श्रमिक विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था अप्रैल 2000 में इसका नाम परिवर्तित कर दिया गया।
- जन शिक्षण संस्थानों के कार्य क्षेत्र में निम्नलिखित शामिल हैं:
    - व्यावसायिक कारकों, सामान्य जागरूकता और जीवन संपन्नता घटकों को शामिल करते हुए उपयुक्त पाठ्यचर्या एवं प्रशिक्षण मॉड्यूलों का विकास/स्रोत।
    - जन शिक्षण संस्थानों को प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय संस्थान और महानिदेशक, रोज़गार एवं प्रशिक्षण द्वारा निरूपित पाठ्यक्रमों के समतुल्य प्रशिक्षण शुरू करने हेतु प्रोत्साहित करना।
    - प्रशिक्षण के आयोजन और अवसंरचना तथा प्रशिक्षण विशिष्ट उपकरण की उपलब्धता के लिये व्यक्तियों एवं मास्टर प्रशिक्षकों के समूह को प्रशिक्षण प्रदान करना।
    - साधारण परीक्षाओं का प्रबंध और प्रमाण-पत्र प्रदान करना।
    - प्रशिक्षुओं को उपयुक्त नौकरी दिलाने के लिये कर्मचारियों और उद्योगों के साथ नेटवर्क स्थापित करना।

---

## वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस

वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (Worldwide Developers Conference-WWDC), सैन जोस (San Jose), कैलिफोर्निया में 'एप्पल कंपनी' (Apple Inc.) द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला एक सम्मेलन है।

ऐप्पल इस कॉन्फ्रेंस का उपयोग सॉफ्टवेयर डेवलपर्स को अपने नए सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करने के लिये करता है।

---

## चीन का अंतरिक्ष रॉकेट

हाल ही में चीन ने समुद्री पोत से सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च किया है। गौरतलब है कि यह चीन का पहला ऐसा रॉकेट है।

- लॉन्ग मार्च- 11 नामक इस रॉकेट को शानडोंग प्रांत में येलो सी (Yellow Sea) से लॉन्च किया गया है।
- यह चीन का समुद्र में स्थित प्लेटफार्म से पहला और लॉन्ग मार्च कैरियर रॉकेट श्रृंखला का 306वाँ अभियान है।
- अंतरिक्ष शक्ति बनने के चीन के प्रयासों की दिशा में यह लॉन्च एक नवीनतम कदम है। ध्यातव्य है कि कुछ ही देशों के पास ऐसी क्षमता है।
- रॉकेट ने दो प्रायोगिक और पाँच वाणिज्यिक उपग्रह थे।
- इस वर्ष की शुरुआत में चीन चंद्रमा के सूदूर भाग की ओर रोवर उतारने वाला पहला राष्ट्र बना।
- समुद्र से रॉकेट लॉन्च करने के कई फायदे हैं-
    - विभिन्न स्थानों से रॉकेट लॉन्च करने की क्षमता
    - कम लागत
    - कम जोखिम इत्यादि

---

## निपाह

### Nipah

हाल ही में केरल ने राज्य में निपाह वायरस के प्रकोप की पुष्टि की है।

- निपाह, एक वायरल संक्रमण है। इसका मुख्य लक्षण बुखार, खांसी, सिरदर्द, दिमाग में सूजन, उल्टी होना, सांस में तकलीफ आदि हैं।
- यह वायरस इंसानों के साथ-साथ जानवरों को भी अपनी चपेट में ले लेता है। यह आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँच जाता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निपाह वायरस एक नई उभरती हुई बीमारी है। इसे 'निपाह वायरस एन्सेफलाइटिस' भी कहा जाता है।
- निपाह वायरस एक तरह का दिमागी बुखार है। इसका संक्रमण तेज़ी से होता है। यह संक्रमण होने के 48 घंटे के भीतर व्यक्ति को कोमा में पहुँचा देता है।
- इसका कोई उपचार नहीं है और अब तक न ही इसका कोई टीका उपलब्ध है।
- वर्ष 1999 में पहली बार मलेशिया में निपाह वायरस की खोज की गई थी।
- भारत में इसका पहला मामला वर्ष 2001 में सिलीगुड़ी में सामने आया था।
- वायरस के प्राकृतिक मेज़बान फ्रुटबैट (Fruit bats) होते हैं, जो व्यापक रूप से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाते हैं।